तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंहम मूढमति हम अनजाने Bhajans Bhakti Songs

तुम बसी हो कण कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंहम मूढमति हम अनजाने
माँ सार तुम्हारा क्या जाने तुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंतेरी माया को न जान सके
तुझको न कभी पहचान सके
हम मोह की निद्रा सोये रहे
माँ इधर उधर ही खोये रहे तू सूरज तू ही चन्द्रमा
तू सूरज तू ही चन्द्रमा
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंतुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर में
तुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंहर जगह तुम्हारे डेरे माँ
कोई खेल न जाने तेरे माँ
इन नैनो को न पता लगे
किस रूप में तेरी ज्योत जगेतू पर्वत, तू ही समंदर माँ
तू पर्वत, तू ही समंदर माँ

हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंतुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर में
तुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंकोई कहता तुम ही पवन में हो
और तुम ही ज्वाला अगन में हो
कहते है अम्बर और जमी
तुम सब कुछ हो, हम कुछ भी नहींफल फूल तुम्ही, हो तरुवर माँ
फल फूल तुम्ही, हो तरुवर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंतुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रहगये मंदिर में
तुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रहगये मंदिर मेंहम मूढमति हम अनजाने
माँ सार तुम्हारा क्या जाने
तुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर मेंतुम बसी हो कण-कण अन्दर माँ
हम ढूंढते रह गये मंदिर में

Source: https://www.bharattemples.com/tum-basi-ho-kan-kan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/

Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw